सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 164 | दिसम्बर : 2023

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

10 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- रिजर्व बैंक ने अपनी चौथी द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी की
- श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत हुई
- भारत की शहरी बेरोजगारी दर में आई गिरावट
- जून 2023 में भारत पर 629·1 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भोपाल के महिला थाने को मिला ISO प्रमाण-पत्र
- छात्र-छात्रों के लिए 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी'
- यूपी ने गंगा डॉल्फिन को राज्य जलीय जीव घोषित किया
- राजस्थान में तीन और नए जिलों की घोषणा

25 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2023 में भारत की भागीदारी
- वैश्विक पेंशन सूचकांक 2023 में भारत का मामूली सुधार
- नई दिल्ली में 9वें जी-20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन
- ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में भारत 111वें स्थान पर

29 खेल खिलाड़ी

- रंगारंग समारोह के साथ सम्पन्न हुए 19वें एशियाई खेल
- न्यूजीलैण्ड के खिलाफ 5 विकेट लेकर मोहम्मद शमी ने रचा इतिहास
- पाकिस्तान को हराकर भारत बना सैफ अंडर-19 फुटबाल चैम्पियन

33 विज्ञान समाचार

35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

38 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

41 **सामयिक लेख**—(i) महिला आरक्षण बिल क्यों जरूरी है ?

43 (ii) जातिगत गणना : महत्व और चुनौतियाँ

44 **ऊर्जा लेख**—हाइड्रोजन : भविष्य का हरित ऊर्जा भवन

46 **संचार लेख**—संचार का बुलेट सिद्धान्त

47 **सैन्य लेख**—आत्मबल से लबालब वायुसेना की बढ़ती ताकत

विविध/सामान्य

76 **वर्षांत समीक्षा 2022—पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-161 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

48 भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल कॉंस्टेबिल पायनियर भर्ती परीक्षा, 2023

मॉडल हल प्रश्न

56 आगामी बिहार एस.एस.सी. इण्टरमीडिएट स्तर प्रारम्भिक परीक्षा, 2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

65 आगामी दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा, 2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

71 आगामी बिहार पुलिस अवर निरीक्षक (प्रा.) परीक्षा, 2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

नियमित अध्ययन से नित्य ज्ञानवर्धन करते रहिए

इच्छित और अपेक्षित ज्ञान की प्राप्ति एक दिन का काम नहीं है. इसके लिए नियमित रूप से पढ़ना और यह लक्ष्य सामने रखना है कि हमें नित्य कोई न कोई नई जानकारी प्राप्त करनी है. पुस्तक पढ़ते समय भी यही लक्ष्य अपनाना है कि हम केवल पढ़ें ही नहीं, उस पर चिन्तन-मनन भी करें. तभी हम उससे नवनीत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे. स्मरण रखें कि अध्ययन मनन और परिशीलन के लिए किया जाना चाहिए. चिन्तन-मनन गर्भित अध्ययन योग्यता के अतिरिक्त हर्षोल्लास एवं वाणी का अलंकरण भी प्राप्त करता है.

कहा जाता है कि एक सुसंस्कृत व्यक्ति वह है, जो सब वस्तुओं एवं विषयों के बारे में कुछ-न-कुछ जानता है और किसी एक विषय के सम्बन्ध में सब-कुछ जानता है—A cultured man is he who knows something of everything and everything of something. सुसंस्कृत शब्द के स्थान पर हम शिक्षित, विकसित, श्रेष्ठ आदि शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं.

प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में प्रायः ऐसे प्रश्न कर लिए जाते हैं जिन्हें हम नगण्य एवं बचकाना समझते हैं, परन्तु आश्चर्य की बात यह होती है कि इन प्रश्नों के उचित उत्तर देने में हम असमर्थ रहते हैं. इसी प्रकार साक्षात्कार के अवसर पर भी प्रायः ऐसे प्रश्न किए जाते हैं, जो यह स्पष्ट घोषणा करते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतियोगी प्रत्येक वस्तु के विषय में अधिकारिक अथवा प्रामाणिक जानकारी रखे. उदाहरण के लिए एक प्रतियोगी से साक्षात्कार मण्डल के एक सदस्य ने प्रश्न कर दिया—आपको कौनसी टॉफी अच्छी लगती है? टॉफी का नाम बताते ही उसके बारे में प्रत्याशी पर प्रश्नों की बौछार कर दी गई है—यह कहाँ से आती है, यह कहाँ बनती है, इसको बनाने वाले कारखाने का नाम बताइए, इसके कारखाने का मालिक कौन है? आदि. कहने का तात्पर्य यह है कि एक श्रेष्ठ प्रतियोगी से यह आशा की जाती है कि वह पुस्तक-ज्ञान या अक्षर ज्ञान में निष्णात होने के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान में भी पारंगत हो. नित्य प्रति व्यवहार में आने वाली वस्तुओं के बारे में भी उसको पूरी जानकारी होनी चाहिए. हमारे एक मित्र के शब्दों में उसको प्रत्येक वस्तु के बारे में अन्तिम रूप से ज्ञान होना चाहिए—He should know the last word on everything.

इस प्रकार विपुल ज्ञान का संचय करना सहज कार्य नहीं है. इसके लिए प्रतियोगी को कठिन श्रम करना होता है. यह कार्य श्रम साध्य है और समय साध्य भी है. यह सम्भव नहीं है कि कोई भी श्रमशील व्यक्ति सामान्य परीक्षार्थी की भाँति दो-चार दिन पूरी शर्तें जानकार बाजारू नोट्स रट डाले और परीक्षा में किसी प्रकार किसी भी श्रेणी में उत्तीर्ण हो जाए. प्रतियोगिता में सफल होने के लिए अनवरत् कठिन श्रम करना पड़ता है. जॉन गायल John Gayal नामक विद्वान् ने एक संवाद में लिखा है कि एक साधक विद्वान् होने का प्रमाण-पत्र चाहने वाले से सम्बन्धित अधिकारी प्रश्न करता है—Whence is thy learning ? Hath thy toiled O'er the books ? Hath thy consumed the midnight oil ? क्या तुमने अपनी पुस्तकों से ज्ञान प्राप्त करने में कठोर श्रम किया है? क्या आधी रात तक दीपक की रोशनी में तुमने अध्ययन किया है?